दिनांक : 17 जनवरी, 2014

राहुल को लेकर कांग्रेस में डर

अरुण जेटली

राज्य सभा में विपक्ष के नेता

कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया। लेकिन उसने श्री राहुल गांधी को चुनाव प्रचार की कमान सौंप दी। किसी पार्टी पर एक परिवार का घटता नियंत्रण स्पष्ट दिखाई दे रहा है। पिछले 25 वर्षों में देश में कोई गांधी प्रधानमंत्री नहीं बना है। भारत, निश्चित रुप से बदल रहा है। गांधी एक पार्टी पर नियंत्रण कर सकते हैं लेकिन देश पर नहीं। 2004 में घबराहट ने ही इस परिवार को दूर रखा। पराजय की संभावना के कारण ही 2014 के लोकसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की घोषणा नहीं की गई।

इससे पहले पार्टी का ऐसा कोई इरादा नहीं था। दिसम्बर 2013 में श्रीमती सोनिया गांधी ने कहा था की कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। हाल में अपने संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने श्री राहुल गांधी की सराहना करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री पद के योग्य बताया था। अचानक से पार्टी में डर क्यों पैदा हो गया। कांग्रेस किसी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार नहीं है। यह बात पहली बार दिल्ली के विधानसभा चुनावों में सामने आई। दिल्ली में श्री राहुल गांधी की एक जनसभा हुई जिसमें भीड़ देखने को नहीं मिली और इसके बाद दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के किसी नेता ने कोई जनसभा नहीं की। उसकी घबराहट अब साफ दिखाई दे रही है। एक प्रतिकूल राजनैतिक माहौल में अपना इकलौता कार्ड क्यों खत्म किया जाए। पार्टी में ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिकूल स्थिति से मुकाबला करने की ताकत अब बची नहीं है। नरेन्द्र मोदी से कोई मुकाबला नहीं है वो भी खासतौर से तब जब जनमत सर्वेक्षण दोनों नेताओं के बीच पसंद को लेकर बहुत बड़ा अंतर दिखा रहे हों। हो सकता है कि कांग्रेस को वास्तविकता का बहुत देर में अंदाजा लगा हो। अगर सरकार बनने की कोई संभावना नहीं दिखाई दे रही है, तो श्री राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार क्यों घोषित किया जाए!

प्रधानमंत्री चुनौती का सामना करने के लिए खड़े हैं। उनका दावा है कि 2014 की विजय का श्रेय राहुल गांधी को जाएगा। क्या पराजय भी उनके खाते में गिनी जाएगी? मुझे संदेह है। कांग्रेस पार्टी इस आधार वाक्य पर काम करती है कि गांधी परिवार कभी गलती नहीं करता। वह कभी विफल नहीं हुआ। पार्टी विफल होती है। उनके सलाहकार हैं जो उन्हें गलत सलाह देते हैं। पार्टी में गांधी परिवार की कोई जवाबदेही नहीं है। आखिर वही तो पार्टी हैं।

*****